# 'आजादी का अमृत महोत्सवके उपलक्ष्य में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और सामुदायिक स्वास्थ्य संबन्धित एवीआई के समन्वयकों और शिक्षकों हेतु राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर संक्षिप्त रिपोर्ट

**दिनांक 23-24 फरवरी 2022**

## राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

**ए-24/25, सेक्टर - 62, नोएडा** - 201 309 **(उ0प्र0)**

## राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(व्यासायिक शिक्षा विभाग)

# 'आजादी का अमृत महोत्सवके उपलक्ष्य में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और सामुदायिक स्वास्थ्य संबन्धित एवीआई के समन्वयकों और शिक्षकों हेतु राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर संक्षिप्त रिपोर्ट

'आजादी का अमृत महोत्सव" के उपलक्ष्य में, दिनांक 23-24 फरवरी 2022 को योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और सामुदायिक स्वास्थ्य संबन्धित एवीआई के समन्वयकों और शिक्षकों हेतु '**राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम"** का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आयुष निदेशालय, दिल्ली से माननीय निदेशक डॉ0 राजकुमार मंचन्दा जी ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और दिल्ली विश्वविद्यालय से गेस्ट प्रोफेसर (योग), डॉ0 गोपाल जी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रहे।

साथ ही कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अस्पतालों से 10 प्रतिष्ठित विशेषज्ञ अलग अलग सत्रों में उपस्थित रहे। विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का विवरण इस प्रकार है;

**अतिथिगण एवं विशेषज्ञ (Resource Persons)**

1. डॉ0 राजकुमार मंचन्दा, निदेशक, आयुष निदेशालय, दिल्ली
2. डॉ0 गोपाल जी, गेस्ट प्रोफेसर (योग), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. प्रोफेसर ईशवर भारद्वाज, डीन, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार
4. डॉ. उधम सिंह, सहायक प्रोफेसर, गुरुकुल का. विश्वविद्यालय, हरिद्वार
5. डॉ. सत्येन्द्र मिश्रा, प्राकृतिक चिकित्सक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
6. डॉ. सत्यनारायन डोरनाला, पंचकर्म विशेषज्ञ, विवेकानंद हॉस्पिटल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली
7. आचार्य विक्रमादित्य, निदेशक, विवेकानंद प्रतिष्ठान, दिल्ली
8. डॉ. रजनी दुबे, आयु. फिजीशियन, उजिता आरोग्य केंद्र, दिल्ली
9. प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार, विभागाध्यक्ष, योग विभाग, गुरुकुल कागड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखंड)
10. योगाचार्य कौशल कुमार, निदेशक, राष्ट्र निर्माण योग केंद्र, दिल्ली
11. डॉ. तबस्सुम, प्राकृतिक चिकित्सक, प्राकृतिक चिकित्सालय, मुंबई

12. डॉ. रघुराम अय्यगरी, सचिव, पराचिकित्सा प्रशिक्षण परीक्षा मण्डल (भारतीय चिकित्सा), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली

## एनआईओएस से

1. श्री एस के प्रसाद, निदेशक (व्या. शिक्षा विभाग), एनआईओएस
2. डॉ. तारकेश्वर नाथ गिरि, संयुक्त निदेशक (व्याव्सायिक), एनआईओएस
3. डॉ. कौशल्या बारीक, उपनिदेसहक, एनआईओएस
4. श्रीमती अनीता नायर, उपनिदेसहक, एनआईओएस
5. डॉ. प्रवीण चौहान, सहा.निदेशक (व्या. शि.), एनआईओएस
6. श्रीमती राधिका, सहायक निदेशक, (व्या. शि.), एनआईओएस
7. डॉ. पवन कुमार चौहान, वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (कार्यक्रम संयोजक) एवं स्टाफ

## एवीआई प्रशिक्षण केन्द्रों से: समन्वयक और संबन्धित फ़ैकल्टी

कार्यक्रम का शुभारंभ, माननीय मुख्य अतिथि, डॉ0 राजकुमार मंचन्दा जी, निदेशक, आयुष निदेशालय, दिल्ली, विशिष्ट अतिथि, डॉ0 गोपाल जी, गेस्ट प्रोफेसर (योग), दिल्ली विश्वविद्यालय, निदेशक व्यावसायिक शिक्षा, श्री एस के प्रसाद, संयुक्त निदेशक डॉ0 तारकेश्वर नाथ गिरि और विभागीय अधिकारीगणों द्वारा दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती के पूजन से किया गया।

दीप प्रज्वल्न व सरस्वती पूजन के उपरांत अतिथियों का आदर-सत्कार कर स्वागत किया गया। डॉ0 तारकेश्वर नाथ गिरि, संयुक्त निदेशक (व्या0), एनआईओएस ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों, वर्चुअल मोड में जुड़े क्षेत्रीय केन्द्रों के निदेशकों और एवीआई अर्थात प्रशिक्षण केन्द्रों के समन्वयकों व शिक्षकों का स्वागत किया। डॉ0 गिरि ने अपने सम्बोधन में कार्यक्रम के परिचय पर प्रकाश डालते हुए, इसके मुख्य उद्देश्य से अवगत कराया। उन्होंने एनआईओएस द्वारा मनाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव की चर्चा की और इसके महत्व को समझाया।

इसके पश्चात निदेशक महोदय श्री एस के प्रसाद जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि, आज देश को स्वस्थ और समृद्ध बनाने की आवश्यकता है और इसमें योग बहुत ही मत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एनआईओएस 100 से अधिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम अपने एवीआई के माध्यम से देशभर में संचालित कर रहा है, जिसमें योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, सामुदायिक स्वास्थ्य संबन्धित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं। निदेशक महोदय ने बताया कि, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में एनआईओएस द्वारा, वर्तमान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा सहित कुल 06 पाठयक्रमों का संचालन पूरे देश में किया जा रहा है और सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि, एनआईओएस ऐसे योग पाठ्यक्रमों को लॉन्च कर चुका है जो आज, हमारे देश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। अभी हाल ही में दो वर्षीय **योग विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम** का शुभारंभ, 21 जून 2021 को 'अंतर्राष्टीय योग दिवस" पर, माननीय अध्यक्ष महोदया और पूर्व राज्य शिक्षा मंत्री जी के कर कमलों से किया गया। इस पाठ्यक्रम की प्रवेश योग्यता, कक्षा 12वीं पास रखी गई है। यह शिक्षण-प्रशिक्षण और योग चिकित्सा से संबन्धित है। राष्ट्र को स्वस्थ रखने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दृष्टि से, यह अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। हमारी माननीय अध्यक्ष महोदया शिक्षा जगत में एनआईओएस को एक नई दिशा, एक नई गति प्रदान कर रही हैं, जिनके कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों को बेहतर सफलता मिल रही है।

तत्पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, डॉ0 गोपाल जी, गेस्ट प्रोफेसर (योग), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली को उनके संभाषण हेतु आमंत्रित किया गया। डॉ0 गोपाल जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि, "मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि, एनआईओएस योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद के क्षेत्र में देश को स्वस्थ बनाने, आत्मनिर्भर बनाने और समृद्ध बनाने की दिशा में बहुत बड़ा कार्य कर रहा है। निश्चित ही एनआईओएस की ये ख्याति एनआईओएस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरान्वित करेगी।"

इसके पश्चात माननीय मुख्य अतिथि डॉ0 राजकुमार मंचन्दा, निदेशक, आयुष निदेशालय, दिल्ली को आमंत्रित किया गया। डॉ0 राजकुमार मंचन्दा ने अपने उद्बोधन में एनआईओएस और इसके कार्यक्रमों कि जमकर प्रशंसा की। उन्होने कहा कि, हमारे देश में आज व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की बहुत अधिक आवश्यकता है और एनआईओएस पूरे देश में ऐसे कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जो युवाओं को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रहे हैं। इसमें स्वास्थ्य से संबन्धित कार्यक्रमों जैसे आयुर्वेद, पंचकर्म, योग आदि में आयुष निदेशालय के साथ मिलकर कार्य किया जा सकता है इन प्रयासों से एनआईओएस, आयुष और जन-सामान्य लाभान्वित होंगे। एनआईओएस वास्तव में बहुत बड़ा कार्य कर रहा है। यह हर्ष का विषय है कि एनआईओएस ने अपने प्रशिक्षण केन्द्रों के लिए यह ओरिएंटेशन प्रोग्राम रखा है। यह आप सबके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के लिए मैं एनआईओएस को हृदय से बधाई देता हूँ और कार्यक्रम में आमंत्रित कर मुझे सम्मानित करने के लिए एनआईओएस का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

तत्पश्चात श्रीमती अनीता नायर, उपनिदेशक, व्या0 शिक्षा ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगणों, एनआईओएस अधिकारियों, वर्चुअल मोड में जुड़े क्षेत्रीय केन्द्रों के निदेशकों और एवीआई अर्थात प्रशिक्षण केन्द्रों के समन्वयकों व शिक्षकों, कार्यक्रम आयोजकों आदि सभी को धन्यवाद दिया।

**दिनांक 23 फरवरी 2022**

**द्वितीय सत्र विषय - योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यावसायिक कार्यक्रमों का परिचय और आज के परिदृश्य में इनकी आवश्यकता, उपयोगिता, संवर्धन और विकास**

जलपान के पश्चात द्वितीय सत्र प्रारम्भ हुआ। जिसका विषय - **एनआईओएस के योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यावसायिक कार्यक्रमों का परिचय और आज के परिदृश्य में इनकी आवश्यकता, उपयोगिता, संवर्धन और विकास (Yoga, Naturopathy & Programs of NIOS; Its Needs, Importance, Promotion & Growth)** था।

सत्र का संयोजन डॉ0 पवन कुमार चौहान और प्रस्तुतीकरण डॉ0 तारकेश्वर नाथ गिरि, संयुक्त निदेशक (व्या.), द्वारा किया गया और सत्र की अध्यक्षता, प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज, डीन, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा कि गई। डॉ. उधम सिंह, सहायक प्रोफेसर, गुरुकुल का. विश्वविद्यालय,

हरिद्वार और डॉ. सत्येन्द्र मिश्रा, प्राकृतिक चिकित्सक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ दोनों ने उक्त विषय पर पर अपने बहुमूल्य व अद्भुत विचार रखे, जिनसे प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

डॉ. प्रवीण चौहान, सहा.निदेशक (व्या. शि.), ने सत्र में उपस्थित सभी विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

**दिनांक 24 फरवरी 2022**
**तृतीय सत्र - विषय - शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल और रोजगार**

दिनांक 24 फरवरी 2022 को प्रात: तृतीय सत्र आरंभ हुआ जिसका विषय था - **शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल और रोजगार**। सत्र का संयोजन व प्रस्तुतीकरण डॉ. पवन कुमार चौहान, कार्यक्रम संयोजक (वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी) द्वारा किया गया और सत्र की अध्यक्षता गुरुकुल कागड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखंड) से योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार जी द्वारा की गई। विशेषज्ञ के रूप में तीन प्रवक्ता इस सत्र में उपस्थित हुए;

1. **आचार्य विक्रमादित्य, निदेशक, विवेकानंद प्रतिष्ठान, दिल्ली**
2. **डॉ. सत्यनारायन डोरनाला, पंचकर्म विशेषज्ञ, विवेकानंद हॉस्पिटल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली**
3. **डॉ. रजनी दुबे, आयु. फिजीशियन, उजिता आरोग्य केंद्र, दिल्ली**

आचार्य विक्रमादित्य, निदेशक, विवेकानंद प्रतिष्ठान, दिल्ली ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अंतर्गत शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल और रोजगार पर व्याख्यान दिया और अपने अनुभव शेअर कर व्यावहारिक बनाया।

डॉ. सत्यनारायन डोरनाला, पंचकर्म विशेषज्ञ, विवेकानंद हॉस्पिटल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली ने पंचकर्म के अंतर्गत शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल और रोजगार पर संबोधित किया और व्यवहरिक रूप से चिकित्सा के साथ जोड़ दिया।

डॉ. रजनी दुबे, आयु. फिजीशियन, उजिता आरोग्य केंद्र, दिल्ली ने आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य के अंतर्गत शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल और रोजगार की बात की और स्पष्ट किया कि किस प्रकार का शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान कर कौशल विकसित किया जा सकता है। और कैसे रोजगार का सृजन किया जा सकता है। उन्होंने घर में पाए जाने खाद्य-पदार्थों से घरेलू उपचार पर लाभत्मक चर्चा की।

**दिनांक 24 फरवरी 2022**
**चतुर्थ सत्र - समापन सत्र**

दिनांक 24 फरवरी 2022 को अपराह्न काल में कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम संयोजक ने सत्र में उपस्थित अतिथि, सत्र अध्यक्ष, सभी विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। समापन सत्र में विशिष्ट अतिथि और सत्र के अध्यक्ष डॉ. रघुराम अय्यगरी, सीएमओ आयुष निदेशालय (पूर्व सचिव,

पराचिकित्सा प्रशिक्षण परीक्षा मण्डल भारतीय चिकित्सा), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली रहे और विशेषज्ञ के रूप में दो प्रवक्ता इस सत्र में उपस्थित रहे;

1. योगाचार्य कौशल कुमार, निदेशक, राष्ट्र निर्माण योग केंद्र, दिल्ली
2. डॉ. तबस्सुम, प्राकृतिक चिकित्सक, प्राकृतिक चिकित्सालय, मुंबई

सर्व प्रथम पूरे कार्यक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट सत्र में प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात योगाचार्य कौशल कुमार, निदेशक, राष्ट्र निर्माण योग केंद्र, दिल्ली ने स्वस्थ बने रहने के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि एनआईओएस ये पाठ्यक्रम हमारे देश के साथ- साथ विदेशों में भी उपयोगी सावित होंगे।
उन्होंने दो महत्वपूर्ण सुझाव दिये -

- एनआईओएस को अति शीघ्र ऑनडिमांड और ऑनलाइन परीक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए, क्योंकि जो विदेशी यहाँ आकार ये पाठ्यक्रम नहीं कर सकते, वे सीधे इसका एडमिशन लेकर ये पाठ्यक्रम कर सकेंगे। इससे विदेशियों का एनरोलमेंट बहुत बढ़ेगा।
- अपने केंद्र विदेशों में भी शुरू करे।

डॉ. तबस्सुम फातिमा, प्राकृतिक चिकित्सक, प्राकृतिक चिकित्सालय, मुंबई ने अपने संभाषण में बताया कि प्रकृति के माधयम से की जाने वाली चिकित्सा बहुत उपयोगी है और आज सभी को आवश्यकता है और हमारे प्रशिक्षण केंद्र इसको प्रचार-प्रसार, केम्प तथा व्यवहार में लाकर स्वस्थ भारत का निर्माण करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

## ओपन सत्र के दौरान

सभी ओपन सत्र के दौरान कार्यक्रम में जुड़े AVIs के समन्वयकों शिक्षकों और उनके साथ जुड़े स्टूडेंट्स यानि प्रशिक्षुओं से उनके अनुभव और समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। अधिकांश समस्याओं का निपटारा साथ ही किया गया।

प्रतिभागियों ने उक्त कार्यक्रम को पसंद किया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम अन्य कोई विश्वविद्यालय या बोर्ड नहीं कर रहा है। इससे एनआईओएस की छवि और प्रतिष्ठा बढ़ रही है। हम सभी के लिए यह उर्जा व प्रेरणा का स्रोत है, अतः समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम होते रहेंगे तो इससे एनआईओएस कार्यक्रमों का और भी बेहतर प्रचार प्रसार होगा, एडमिशन में वृद्धि होगी साथ ही एवीआई पर बेहतर शिक्षण-प्रशिक्षण होता रहेगा।

एनआईओएस के योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल अभ्यर्थियों ने, एनआईओएस के माध्यम से सीधे, अपने लिए एक ऐसी वर्कशॉप की मांग की जो प्रशिक्षण और चिकित्सा पर उन्हें अपग्रेड कर सके। इस पर उन्हें स्पष्ट किया गया कि यदि एनआईओएस अल्यूमीनि ऐसी वर्कशॉप का वित्तीय व्यय स्वम उठाएंगे तो एनआईओएस प्रतिभा और कौशल को अपग्रेड करने के लिए, अपने स्तर पर निश्चित रूप से इस तरह की वर्कशॉप करा सकता है।

एक विदेशी अल्यूमीनि मिस हरनाको मीनामी और इनके ग्रुप ने विशेष अनुरोध किया है कि यह प्रशंसनीय होगा यदि एनआईओएस, योग शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम YTTP पाठ्यक्रम में ऑनलाइन एडमिशन के साथ साथ ऑनलाइन क्लास, ऑन-डिमांड और ऑनलाइन एक्जाम की व्यवस्था करें तो इससे हमारे देश के उन नागरिकों को एनआईओएस के इस योग कोर्स में एडमिशन लेने का अवसर मिल सकेगा, जो भारतीय योग शिक्षा में एडमिशन के बेहद इच्छुक हैं मगर भारत में आकर पढ़ना उनके लिए संभव नहीं हैं।

इसके पश्चात समापन सत्र में आमंत्रित विशिष्ट अतिथि और सत्र के अध्यक्ष डॉ. रघुराम अय्यगरी, सीएमओ आयुष निदेशालय (पूर्व सचिव, पराचिकित्सा प्रशिक्षण परीक्षा मण्डल भारतीय चिकित्सा), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली ने अपने बहुमूल्य विचार प्रकट किए। सत्र में प्रस्तुत संक्षिप्त रिपोर्ट, विशेषज्ञों के संभाषण, प्रशिक्षुओं और एल्यूमिनी के सुझावों के आधार पर, डॉ. अय्यगरी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि, शिक्षा के क्षेत्र में एनआईओएस बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ओपन सिस्टम के माध्यम से एनआईओएस द्वारा संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम उन सभी लोगों को आवश्यक हैं जो कहीं जॉब में या व्यावसाय में लगे हुए हैं।

डॉ. रघुराम अय्यगरी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि, इस दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम की रिपोर्ट से पता चलता है कि, एनआईओएस अपने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में बेहतर और कुशल प्रशिक्षण के लिए काफी गंभीर है और कौशल विकास के लिए अपने केन्द्रों पर उचित निगरानी बनाए हुए है। इस प्रकार का उन्मुखीकारण कार्यकर्म बहुत कम संस्थान आयोजित करते हैं वैसे समस्याएँ सुनने और निदान करने का यह बहुत शानदार तरीका है। एनआईओएस के विषय में जो मैंने देखा उससे मुझे बेहद प्रसन्नता हुई है। एनआईओएस और आयुष विभाग जहां मिलकर कार्य कर सकते हैं, इस पर बहुत जल्द एक बैठक रखी जा सकती है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में एनआईओएस ने मुझे आमंत्रित किया, इसके लिए मैं एनआईओएस का हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

निदेशक महोदय ने कार्यक्रम समापन पर सभी एवीआई के समन्वयकों, और शिक्षकों को अच्छी गुणवत्ता और बेहतर कुशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित रहे सभी विशेषज्ञों के बहुमूल्य विचारों और समन्वयकों व शिक्षकों के उन्मुखीकरण के लिए आभार जताया।

श्रीमती राधिका बी0 सहायक निदेशक ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में अतिथिगणों, विशेषज्ञों, एनआईओएस के सभी पदाधिकारियों, समन्वयकों व शिक्षकों और उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

अंत में राष्ट्रगान के पश्चात, कार्यक्रम का समापन किया गया।

**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**

(व्यासायिक शिक्षा विभाग)

**'आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और सामुदायिक स्वास्थ्य संबन्धित एवीआई के समन्वयकों और शिक्षकों हेतु ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम**

**On the occasion of "Azadi's Amrit Festival"Online Capacity Building Program for NIOS AVIs Coordinators & Teachers of Yoga, Naturopathy, Ayurveda & Community Health Programmes**

**कार्यक्रम-शिड्यूल - 23-24 फरवरी, 2022**

| समय | कार्यक्रम | टिप्पणी |
|---|---|---|
| **प्रथम सत्र: दिनांक - 23 फरवरी, 2022 11.00 बजे से 12.30 तक** | | |
| 11.00-11.05 | **ओम उच्चारण एवं कार्यक्रम परिचय**<br>- **डॉ. पवन कुमार चौहान,** कार्यक्रम संयोजक (वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी) | |
| 11.05-11.08 | **दीप प्रज्ज्वलन** | |
| 11.08-11.15 | **स्वागत भाषण**<br>- **डॉ. तारकेश्वर नाथ गिरि** (व्यावसायिक शिक्षा विभाग), एनआईओएस | |
| 11.15-11.30 | **कार्यक्रम सम्बोधन**<br>- **श्री एस के प्रसाद,** निदेशक (व्या. शिक्षा विभाग), एनआईओएस | |

| | | |
|---|---|---|
| 11.30-11.40 | **विशिष्ट अतिथि संभाषण**<br>- डॉ. गोपाल जी, गेस्ट फ़ैकल्टी (योग), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | |
| 11.40 -12.00 | **मुख्य अतिथि उद्बोधन**<br>- **डॉ. राज के मनचंदा,** निदेशक, आयुष निदेशालय, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी ऑफ दिल्ली, नई दिल्ली | |
| 12.00 -12.20 | **अध्यक्षीय उद्बोधन**<br>**प्रोफेसर सरोज शर्मा,** अध्यक्ष महोदया, एनआईओएस | |
| 12.20 -12.30 | धन्यवाद ज्ञापन<br>- **श्रीमती अनीता नायर,** उपनिदेशक (व्या. शि.), एनआईओएस | |
| 12.30-12.40 | जलपान (अल्पाहार) | |
| **द्वितीय सत्र: दिनांक - 23 फरवरी, 2022 12.40 बजे से 14.30 तक** | | |
| 12.40-13.40 | **विषय - एनआईओएस के योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यावसायिक कार्यक्रमों का परिचय और आज के परिदृश्य में इनकी आवश्यकता, उपयोगिता, संवर्धन और विकास (Yoga, Naturopathy & Programs of NIOS; Its Needs, Importance, Promotion & Growth)**<br>**प्रस्तुतीकरण**<br>- **डॉ. तारकेश्वर नाथ गिरि, संयुक्त निदेशक** (व्याव्सायिक), एनआईओएस<br>**विशेषज्ञ**<br>- **डॉ. उधम सिंह,** सहायक प्रोफेसर, गुरुकुल का. विश्वविद्यालय, हरिद्वार<br>- **डॉ. सत्येन्द्र मिश्रा,** प्राकृतिक चिकित्सक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ | |
| 13.40-14.00 | **समन्वयक व फैकल्टी के साथ खुली चर्चा एवं उनके अनुभवों की साझेदारी (ओपन हाउस डिस्कशन)** | |
| 14.00-14.20 | **निष्कर्ष (सत्र अध्यक्ष का उद्बोधन)**<br>- **प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज,** डीन, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार | |
| 14.20-14.30 | **धन्यवाद ज्ञापन**<br>- **डॉ. प्रवीण चौहान,** सहा.निदेशक (व्या. शि.), एनआईओएस | |

## राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(व्यासायिक शिक्षा विभाग)

**'आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और सामुदायिक स्वास्थ्य संबन्धित एवीआई के समन्वयकों और शिक्षकों हेतु ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम**

**On the occasion of "Azadi's Amrit Festival"Online Capacity Building Program for NIOS AVIs Coordinators & Teachers of Yoga, Naturopathy, Ayurveda & Community Health Programmes**

**कार्यक्रम-शिड्यूल - 23-24 फरवरी, 2022**

| समय | कार्यक्रम | टिप्पणी |
|---|---|---|
| **तृतीय सत्र: दिनांक - 24 फरवरी, 2022 10.00 बजे से 12.00 तक** | | |
| 10.00-11.00 | **विषय - शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल और रोजगार**<br>**प्रस्तुतीकरण**<br>- **डॉ. पवन कुमार चौहान,** कार्यक्रम संयोजक (वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी)<br>**विशेषज्ञ**<br>- **डॉ. सत्यनारायन डोरनाला, पंचकर्म विशेषज्ञ, विवेकानंद हॉस्पिटल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली**<br>- **आचार्य विक्रमादित्य,** निदेशक, विवेकानंद प्रतिष्ठान, दिल्ली<br>- **डॉ. रजनी दुबे, आयु. फिजीशियन, उजिता आरोग्य केंद्र, दिल्ली** | |
| 11.00-11.30 | **समन्वयक, फैकल्टी व विशेषज्ञों के साथ खुली चर्चा एवं उनके अनुभवों की साझेदारी (ओपन हाउस डिस्कशन)** | |
| 11.30-11.45 | **निष्कर्ष (सत्र अध्यक्ष का उद्बोधन)**<br>- **डॉ. सुरेन्द्र कुमार त्यागी,** विभागाध्यक्ष, योग विभाग, गुरुकुल कागड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखंड) | |

| | | |
|---|---|---|
| 11.45-11.50 | धन्यवाद ज्ञापन<br>- **डॉ. प्रवीण चौहान,** सहा.निदेशक (व्या. शि.), एनआईओएस | |
| 11.50-12.00 | जलपान (अल्पाहार) | |
| **चतुर्थ सत्र - समापन सत्र: दिनांक - 24 फरवरी, 2022 12.00 बजे से 14.00 तक** | | |
| 12.00-12.15 | **कार्यक्रम पर संक्षिप्त रिपोर्ट**<br>- **डॉ. पवन कुमार चौहान,** कार्यक्रम संयोजक (वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी) | |
| 12.15-12.45 | **विशेषज्ञों का संभाषण**<br>- **डॉ. सुरेश लाल बरनवाल,** विभागाध्यक्ष, देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार<br>- **योगाचार्य कौशल कुमार,** निदेशक, राष्ट्र निर्माण योग केंद्र, दिल्ली<br>- **डॉ. तबस्सुम,** प्राकृतिक चिकित्सक, प्राकृतिक चिकित्सालय, मुंबई | |
| 12.45-13.15 | **प्रशिक्षण केन्द्रों के समन्वयकों और सफल अभ्यर्थियों के विचार** | |
| 13.15-13.35 | **सत्र अध्यक्ष का उद्बोधन**<br>- **डॉ. रघुराम अय्यगरी,** सचिव, पराचिकित्सा प्रशिक्षण परीक्षा मण्डल (भारतीय चिकित्सा), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी, दिल्ली | |
| 13.35-13.50 | **समापन टिप्पणी**<br>- **श्री एस के प्रसाद,** निदेशक (व्या. शिक्षा विभाग), एनआईओएस | |
| 13.50-14.00 | **धन्यवाद ज्ञापन**<br>- **डॉ. तारकेश्वर नाथ गिरि, संयुक्त निदेशक** (व्याव्सायिक), एनआईओएस | |